व्यवसाय योजना **मुर्गी पालन**

आय सृजन गतिविधि

(समान रुची समूह जय बाबा कम्लाहिया स्वयं सहायता समूह)

जय बाबा कम्लाहिया स्वयं सहायता समूह चोकी

ग्रामीण वन विकास समिति चोकी

वन परिक्षेत्र धर्मपुर

वन मंडल जोगिन्दर नगर

प्रायोजक:

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन

और आजीविका सुधार परियोजना पौटर हिल शिमला

प्रस्तुति

वन परिक्षेत्र धर्मपुर

वन मण्डल जोगिन्दर नगर

अनुक्रमणिका

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	3-4
2	समान रुची समूह का विवरण	4-5
3	ग्राम की भौगोलिक स्थिति	5
4.	आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का विवरण	5
5	उत्पादन की प्रक्रिया	5-6
6	उत्पादन हेतु नियोजन	6
7	विपणन	6-7
8	समूह सदस्यों के मध्य उघम का प्रबंधन	7
9	शक्ति, दुर्बलता, अवसर, जोखिम का विश्लेषण(SWOT Analysis)	7-8
10	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	8
11	व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का वर्णन	8-9
12	अर्थव्यवस्था का सारांश	9
13	अनुमान	10
14	लाभ लागत विश्लेषण (एक चक्र के लिए)	10-11
15	धन की आवश्यकता	11
16	सम विच्छेदन बिंदु (ब्रेक इविन प्वाइंट) की गणना	11
17	ऋण वापसी का किश्तवार नियोजन	11-12
18	टिप्पणी	12-13
19	स्वयं सहायता समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ	14-16

1. कार्यकारिणी सारांश

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय में स्थितहै| यह राज्य कुदरती सुन्दरता और समद्वि सांस्कृतिक व धार्मिक धरोहर से भरपूरहै। राज्य में विविध पारितन्त्र, नदियों, घाटियों पाईजाती है।इसकी आबादी 70 लाख के करीब है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि0मी0 है। हिमाचल प्रदेश में शिवालिक पहाड़ियो से लेकर मध्य हिमालय का क्षेत्र,के ऊँचाईं व और ठण्डे ज़ोन का क्षेत्र पाया जाता है। राज्य के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है।हिमाचल प्रदेश के 12 ज़िलों में से 6 जिले में हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका परियोजना के सहयोग से चलाई जा रही है। जिसमे मंडी ज़िला भी शामिल है।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (जाईका) प्रारंभ होने पर वन विकास समिति चोकी की सूक्षम योजना बनाई गयी है। इस वन विकास समिति के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है किन्तु सिंचाई की उचित व्यवस्ता ना होने के कारण लोगों को उनके आय में अपेक्षित बढोतरी नहीं हो पा रही है।यहाँ के लोग मुख्यता गेहूं, मक्की, जौ व दालों की खेती करने के साथ प्लम, खुमानी, अमरुद आम इत्यादि बागवानी फसले उगाते है परन्तु वन विकास समिति के अधिकतर लोगों के पास बहुत हि कम ज़मीन है।यहाँ के किसानों की प्रति व्यक्ति आय काफी कम है जिसके कारण अधिकतर किसानों का जीवन स्तर अच्छा नहीं है तथा वे कुपोषण के शिकार भी है। अत: यहं के किसानों को अपनी आजीविका को चलाने के लिए नये अवसर तलाशने के साथ – साथ अपने आहार सम्बन्धी आदतो को बदलने की भी आवश्यकता है।ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर मुर्गी पालन आजीविका वर्धन का एक वेहतर विकल्प है जिसके माध्यम से गरीब किसान न केवल आपनी आय में पर्याप्त बढोतरी कर सकते है बल्कि साथ ही साथ अंडों एवं मुर्गों के रूप में पोषक आहार भी प्राप्त कर सकते है।आजीविका सुधार योजना गतिविधि के लिए 2 स्थानीय स्वयं सहायता समूह बनाये गए हैं।इन में से (जय बाबा कम्लाहिया स्वयं सहायता समूह चोकी)स्वयं सहायतासमूहका 03-07-2020 को गठन किया गया है।इस समूह में कुल 17 पुरुष सदस्य हैं। स्वयं सहायता समूह को समान रुची समूह में जय बाबा कम्लाहिया स्वयं सहायता समूह चोकी के रूप में परिवर्तित किया गया है। इस समान रुची समूह ने विस्तार से चर्चा करने पर क्रायलरकिस्म की मुर्गी व मुर्गे पालन करके अंडे तथा मुर्गे व मुर्गी मॉस के लिए बेच कर आजीविका बढाने का निर्णय किया है। क्रायलर किस्म का मुर्गी लगभग 18 सप्ताह में 2 किलोग्राम का वजन प्राप्त कर लेता है। क्रायलर की किस्म की मुर्गी वर्षभर में 180 से 200 अंडे देती है जबकि अन्य किस्म की मुर्गीयों 35 से 40 अंडे वर्षभर में दती है। अंडे व मुर्गे मास के लिए बचने धर्मपुर व् सरकाघाट बाज़ार जिसकी सड़क से 12 व् 25 किलोमीटर दुरी है।

इसके अतिरिक्त 1,00,000/- परिक्रामी निधि (रेवोल्विंग फण्ड) दिया जाएगा ताकि बैंक में ऋण लेने में सुविधा हो सके |इसके अतिरिक्त जो ऋण लिया जाएगा उसमें से 5% दर का ब्याज परियोजना द्वारा बैंक के खाते में डाला जाएगा तथा शेष दर का ब्याज समूह अदा करेगा |समूह ने तय किया है कि सभी सदस्य नियम व शर्तो के हिसाब से कार्यो का आपसी बंटवारा करके समूह को चलाएंगे और समान रूप से कार्य के अनुसार लाभांश का बंटवारा करेंगे | जय बाबा कम्लाहिया स्वयं सहायता समूह चोकी समूह की व्यवसाय योजना बनाने के लिए श्री बी एस यादव ,श्रीमती सरला देवी ने बार बार समूह के सदस्यों से बैठके करके इस व्यवसाय योजना को तैयार किया गया है | समूह में सम्मिलित सदस्यों का ब्यौरा निम्न प्रकार से है :

कमांक	लाभार्थी का नाम व पता	पद	गांव	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	श्री विनोद कुमार सपुत्र श्री टेक चंद	प्रधान	चोकी		पुरुष		सामान्य	8837678671
2	प्रकाश कुमार सपुत्र श्री हुकुम चंद	सचिव	चोकी		पुरुष		सामान्य	8580869012

3	मनोज कुमार सपुत्र श्री दुनी चंद	सदस्य	चोकी		पुरुष		सामान्य	
4	महेंदर सिंह सपुत्र श्री चेत राम	उप प्रधान	चोकी		पुरुष		सामान्य	9816397005
5	विजय बिष्ट सपुत्र श्री त्रिलोकी चंद	सदस्य	चोकी		पुरुष		सामान्य	9882480391
6	नरेंदर कुमार सपुत्र श्री देश राज	सदस्य	चोकी		पुरुष		सामान्य	9805500636
7	दिनेश कुमार सपुत्र श्री क्रिशन चंद	सदस्य	चोकी		पुरुष		सामान्य	
8	भूप सिंह सपुत्र श्री तारा चंद	सदस्य	चोकी		पुरुष		सामान्य	9857384026
9	सुनील कुमार सपुत्र श्री कपूर चंद	सदस्य	चोकी		पुरुष		सामान्य	8894289017
10	लेख राज सपुत्र श्री चेत राम	सदस्य	चोकी		पुरुष		सामान्य	8679482440
11	मिन्शी राम सपुत्र श्री लेख राम	सदस्य	चोकी		पुरुष		सामान्य	–
12	भिखम राम सपुत्र श्री सुन्दर राम	सदस्य	चोकी		पुरुष		सामान्य	–
13	कश्मीर सिंह सपुत्र श्री नेक राम	सदस्य	चोकी		पुरुष		सामान्य	8679528635
14	दलीप सिंह सपुत्र श्री मंगत राम	सदस्य	चोकी		पुरुष		सामान्य	9857488655
15	विनोद कुमार सपुत्र श्री मस्त राम	सदस्य	चोकी		पुरुष		सामान्य	9816541254

जय बाबा कम्लाहिया स्वयं सहायता समूह के सदस्य

2 स्वयं सहायता समूह का विवरण

2.1	स्वयं सहायता समूह का नाम	जय बाबा कम्लाहिया स्वयं सहायता समूह चोकी
2.2	स्वयं सहायता समूह का एम. आई. एस. कोड	–
2.3	ग्रामीण वन विकास समिति	चोकी
2.4	वन परिक्षेत्र	धर्मपुर
2.5	वन मण्डल	जोगिन्दर नगर
2.6	गांव	चोकी
2.7	विकास खण्ड	धर्मपुर
2.8	जिला	मंडी
2.9	समूह के कुल सदस्यों की संख्या	16
2.10	समूह के गठन की तिथि	जनवरी 2020

2.11	समान रूचि समूह की मासिक बचत	
2.12	बैंक का नाम और शाखा जंहा समूह का खाता संचाालित	हिमाचल ग्रामीण बैंक छत्तर
2.13	बैंक खाता संख्या	87490100066600
2.14	समूह की कुल बचत	5400/-
2.15	समूह द्वारा सदस्यों को दिया गया ऋण	अभी तक नही
2.16	कैशक्रैडिटसीमासमूह सदस्यों द्वारा वापस किया गया ऋण की स्थिति	-

3. गांव की भौगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	115 कि0मी0
3.2	मुख्य सड़क से दूरी	.5 कि0मी0
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	धर्मपुर 12 कि0मी0 सरकाघाट25कि0मी0
3.4	मुख्य बाजार से दूरी और नाम	धर्मपुर 12 कि0मी0 सरकाघाट 25 कि0मी0
3.5	अन्य प्रमुख शहरों और कसबों से दूरी	मंडी 115 कि0मी0 जोगिन्दर नगर 75 कि0मी0 बैजनाथ 80 कि0मी0
3.6	बाजार/बाजारों से दूरी जहां पर उत्पादन की बिक्री की जायेगी	धर्मपुर 12 कि0मी0 सरकाघाट 25 कि0मी0 मंडी 115 कि० मी०
3.7	ग्राम के सम्बन्ध में अन्य कोई विशिष्ठता जो समूह द्वारा चयनित आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित हो	--

4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	क्रायलर अंडे
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्वति	समूह के कुछ सदस्य मुर्गी पालन का कार्य पहले से बहुत छोटे स्तर पर कर रहे हैं। अंडे व मुर्गे बेचने की मार्किट समीप के बाज़ार धर्मपुर में पड़ती है।अंडे व मुर्गे को स्थानीय बाजार धर्मपुर के दुकानदारों के माध्यम से विपणन का कार्य किया जा रहा है। सदस्य के अनुभव के अनुसार बाजार में उत्पाद की भारी मांग है। समूह में उत्पादन व विपणन करने पर अतिक्ति आय की आपार सभावना है।
4.3	समान रूचि समूह के सदस्यों की सहमति	हां (सहमति पत्र पृष्ठ 24 पर सलंग्न है।)

5. उत्पादन की प्रक्रिया का विवरण

प्रारम्भ में समूह को मुर्गी पालन का परियोजना के माध्यम से पशु पालन विभाग धर्मपुर के द्वाराप्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरान्त प्रत्येक मुर्गी के बाड़े और ट्रे इत्यादि पूंजीगत व्यय का परियोजना द्वारा 50 % अनुदान दिया जाएगा। समूह के निर्णय लिया है कि शुरू में वे 60 क्रायलर चूजे को पाले जायेंगे। ख़रीदे गए चूजों में से बड़े होने पर पता चलता है कि लगभग 50% मुर्गियों होती है और 50% मुर्गे होते हैं। क्यूंकि क्रायलर मुर्गे व मुर्गियों खुले व प्राकृतिक वातावरण में पाली जायेंगे।अत: 18 सप्ताह के बाद क्रायलर मुर्गे 2 किलो तक का बजन प्राप्त कर लेते हैं तथा मुर्गियों 6 महीने के बाद चुजे बड़े हो कर अंडे देने की स्थिति में आ जाती हैं।मुर्गे के मॉस व अण्डों के लिए स्थानीय बाज़ार में भारी मांग होती है। अत: उत्पाद का विपणन की कोई समस्य नहीं आएगी। समूह के सभी सदस्य प्रत्येक सदस्य द्वारा पाले गये मुर्गे व मुर्गियों तथा अंडों का विपणन सामुहिक तौर पर कार्य का बटवारा कर के स्थानीय बाज़ार में करेंगे इसके बाद क्रायलर मुर्गियों के अंडे से देसी मुर्गियों द्वारा मुर्गे व मुर्गियों की सख्यां कम होने पर हेचिंग करके बढाई जायेगी।समूह में यह निर्णय किया है कि 6 महीने के बाद प्रत्येक सदस्य दुआरा 5 देसी मुर्गियों खरीद कर हेचिंग करवाई जाएगी।

6. उत्पादन हेतु नियोजन

प्रथम चक्र :

6.1 कार्य दिवस : 365 दिवस

6.2 काम करने वाले व्यक्ति : 12 व्यक्ति (2 घंटे प्रति दिन में से एक घंटा सुबह एक घंटा शाम को)

6.3 मुर्गी के चुजे व कच्चे माल का स्रोत: चुजे के लिए सुंदरनगर पोल्ट्री फार्म और अन्य समान के लिए धर्मपुर / सरकाघाट

6.4 अन्य संसाधनों का स्रोत : धर्मपुर / सरकाघाट

6.5माल की आवश्यकता : 720 चुजे

6.6 अनुमानित उत्पादन : चिकन मॉस के लिए 30x12= 360 नंबर मुर्गे तैयार होंगे !

360 X 25 = 9000 अंडे प्रति माह

कुल अंडे का उत्पादन चक्र में 9000 x 6 = 54000

7. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	सम्भावित बाजारों/स्थलों के नाम	Sarkaghat / Dharampur/ मंडी
7.2	उत्पाद की बिक्री हेतू गांव से दूरी	Dharampur12 कि0मी0 Sarkaghat25 कि0मी0 मंडी 115 कि0मी0

7.3	बाजार में उत्पाद की अनुमानित मांग	उत्पादन से 10 गुना से अधिक
7.4	बाजार को चिन्हित करने की प्रक्रिया	मुर्गे के मॉस के लिए स्थानीय बाज़ार में होटलों/ रेस्टोरेंट, स्थानीय निवासियों की भारी मांग होती है लगभग 90% चिकन अन्य जिले व प्रदेश से मंगवाया जाता है I अत: स्थानीय बाज़ार में भारी खपत की सम्भावना है I
7.5	मौसम में परिवर्तन के अनुसार उत्पाद की मांग की स्थिति	सर्दी में उत्पादों की मांग बढ जाती है I गर्मियों में पर्यटको के आने के कारण होटलों व रेस्टोरेंट में खपत के कारण मांग सामान्य बनी रहती है I
7.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	होटल, रेस्टोरेंट व ढाबा के मालिक स्थानीय निवासी
7.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	मंडी जिला के निवासी
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	स्वयं सहायता समूह को मंडी के बाज़ारों से जोड़ा जाएगा अधिक उत्पादन होने पर और जोगिन्दर नगर / पालमपुर के चिकन व अंडे दुकानदारों के साथ विपणन के लिए जोड़ा जाएगा I
7.9	उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति	स्थानीय बाज़ार में मांग कम होने पर Joginder / Nagarसरकाघाट / मंडी के चिकन दुकानों से जोड़ा जाएगा I
7.10	उत्पाद का ब्राण्ड नाम	
7.11	उत्पाद का श्नाराश	

8. समूह सदस्यों के मध्य उद्यम का प्रबन्धन :

समूह के प्रत्येक सदस्य अपनी अपनी बैकयार्ड पोल्ट्री में मुर्गी पालन का स्वयं 2 घंटे प्रतिदिन करेगा (1 घंटा सुबह और 1 घंटा शाम) परन्तु कच्चा माल जैसे फीड,दवाईयां की खरीदारी तथा मुर्गे व अंडे का विपणन सामोहिक रूप आपस में कार्य का बटवारा करेंगे I उत्पाद का लाभ प्रत्येक सदस्य द्वारा उत्पाद किये गए उत्पादन व बिक्री के अनुसार उसी को किया जाएगा I

9. शक्ति, दुर्बलता, अवसर, जोखिम का विश्लेषण

शक्ति: -

1. सभी समूह सदस्य सामान व् अनुकूल सोच रखते है।
2. समूह के कुछ सदस्य छोटे पैमाने पर मुर्गी पालन व विपणन का कार्य पहले से कर रही है I जिस से समूह के सभी सदस्यों को मुर्गी पालन व विपणन में असानी होगी I
3. उत्पादन लागत कम है तथा उत्पादन मांग अधिक है I

दुर्बलता: -

1. नया समान रुची समूह है I
2. समूह में कार्य करने का अनुभव नहीं है I

अवसर : -

1. समूह में कार्य करने पर बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है।
2. स्थानीय बाज़ारों में चिकन व अंडे की मांग अधिक है।
3. परियोजनाद्वाराप्रारम्भ में चूजे, बैकयार्ड पोल्ट्री के बाड़े (शेड) के लिए इत्यादि 50% किमत को वहन किया जाएगा।
4. परियोजनाके माध्यम से पशु पालन विभाग मुर्गी पालन का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

जोखिम: -

1. समूह में अन्तरिक झगडे होने पर समूह का कार्य प्रभावित हो सकता है।
2. मांग व पारदर्शता के अभाव में समूह टूटने की सम्भावना हो सकती है।

10 सम्भावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय

क0सं0	जोखिमों का विवरण	::	जोखिम कम करने के लिए उपाय
10.1	शुरू में चूजों की मोसम के बदलाब के कारण मरने की सम्भावना रहती है इसके इलावा वर्ल्ड फ्लू या अन्य बीमारी के कारण पक्षियों में मरने का जोखिम रहता है।	::	पशु पालन विभाग से निरंतर सम्पर्क में रहेंगे अगर किसी प्रकार की बीमारी मुर्गियों व मुर्गो में होने पर पशु चकित्सों द्वारासमय परउपचारकिया जा सके।
10.2	सही देखवाल न करने पर उत्पादनकम हो सकता है।	::	उत्पादन बनाये रखने के लिए सही समय पर सही मात्र में सही फीड व दवाई मिनरल दी जाएगी व खुले में सही समय पर कम से कम 2 बार दिन में (1 घंटा सुबह और 1 घंटा शाम) को चराया जाएगा।

11 व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का वर्णन

क0सं0	परियोजना की लागत	मुल्य (रू0 में)
अ	पूंजी लागत	
(1)	शेड/ बाड़े की निर्माण की लागत (1 sq.ft / पक्षी) 60x12 = 720sq.ft @ रुपए 220 / sq.ft	158400
(2)	12 फीडर और 12 वाटेरेर कुल 24 @ 160	3840
(3)	चूजे की कीमत 720 चूजे @ 32 रुपए की दर से	23040
	कुल जोड़ ।ण्1 त्र	185280
	कुल पूंजी लागत त्र	185280
व	आवर्ती लागत	
वण्1	(see nested table below)	

क्रमाक	माह	वस्तु का नाम	इकाई	मात्रा	दर	धन राशी	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
	फीड						
		चुजे की फीड 1 से 4 सप्ताह तक	Qtl	4.28	3000	12840	
		ग्रोवेर फीड 4 से 20 सप्ताह	Qtl	12.09	2600	31434	

			कुल				44274	
			लेयर फीड 20 से 52 सप्ताह तक	Qtl	19.35	2700	52245	
			कुल				96519	
			मजदूरी 2 घंटे प्रतिदिन 12 व्यक्ति 365 दिन	दिन	1251	300	375300	
			अंडे की पैकिंग / ट्रे	नंबर	2400	5	12000	
			अन्य खर्चे (दवाईयों @ Rs 5 प्रति पक्षी)	नंबर	720	5	3600	487419
			योग				487419	
	नोटः प्रारम्भ में 20 सप्ताह तक फीड के लिए 44274रुपए धन की आवश्यकता होगी उसके उपरान्त प्रत्येक सदस्य 24 सप्ताह तक मुर्गे बेचने पर जो धन अर्जित करेंगे उससे फीड लेते रहेंगे उसके बाद अंडे बेचने पर जो धन अर्जित करेंगे उससे फीड लेते रहेंगे।							
;पद्ध	गाडी किराया (फीड, चूजे की कैरिज)							10000
	आवर्ती लागत त्र							
	कुलआवर्ती लागत B (i+ii)=							497419
	कुल व्यवसाय योजना लागत (A+B)=							682699
स	आय							
स०1	प्रत्यक्ष आय							
स०1०1	माँस के मुर्गे बेचने पर आय (माँस के लिए 360 @ 700 प्रति पक्षी)							252000
स1.2	अंडे बेचने से आय (54000 @ 10 रुपए)							540000
	कुल प्रत्यक्ष आय							792000
स०2	अप्रत्यक्ष बचत/ आय (अनुमानित) यदि कोई हो							0
	कुल अनुमानित आय							
	कुल आय							

12. अर्थव्यवस्था का सारांश

उत्पादन की लागत

क0स0	विवरण	धनराशि (रू0)
1	कुल आवर्ती व्यय	497419
2	पूंजीगत व्यय पर 10: वार्षिक मूल्य ह्रास	18528
3	ऋण पर 7 : वार्षिक दर पर औसत व्याज	4109
	योग	**520056**

13. अनुमान

विक्रय मूल्य की गणना/आंकलन (प्रतिचक्र)

क0स0	विवरण	इकाई	धनराशि (रू0)
1	उत्पादन की लागत	नंबर	497419
2	निर्धारित लाभ (प्रतिशत में)	59.22%	294581
3	कुल (1+2)	नंबर	792000
4	बाजार भाव (1) अंडे का बाज़ार भाव @ 10 रुपए प्रति अंडा (2) चिकन मुर्गा का भाव @700 से 800 प्रति	नंबर	 540000 252000
5	आगणित/आंकलित विक्रय मूल्य (1) अंडे का विक्रय मूल्य (2) चिकन मुर्गा का भाव @700 से 800 प्रति	नंबर	 540000 252000

14. लाभलागत विश्लेषण(एक चक्र के लिए)

क0स0	मद	धनराशि (रू)
1	पूंजीगत व्यय पर 10 % वार्षिक मुल्य ह्रास (अ)	18528
2	**आवर्ती लागत (ब) –**	
2.1	गाडी किराया	10000
2.2	मजदूरी	375300
2.3	चूजे, मुर्गे और मुर्गी की फीड	96519
2.4	अंडे की पैकिंग / ट्रे	12000
2.5	अन्य खर्चे (दवाईयों @ Rs 5 प्रति पक्षी)	3600
	योग (ब)	497419
3	**कुल उत्पादन**	
3.1	मुर्गे @ 700 रुपए प्रति पक्षी	360
3.2	अंडे@ 10 रुपए	54000
4	**उत्पादन की विक्री**	
4.1	माँस के मुर्गे बेचने पर आय (माँस के लिए 360 @ 700 प्रति पक्षी)	252000
4.2	अंडे बेचने से आय (54000 @ 10 रुपए)	540000
5	**उत्पाद की विक्री से आय (स)**	792000
	योग (स)	792000
6	कुल लाभ स- (अ+ब) = 792000- (18528+497419)	276053
7	उत्पाद विक्री से सकल लाभ = कुल लाभ + मजदूरी = 276053+375300	651353
8	एक चक्र के उपरान्त लाभ के रूप में सदस्यों के मध्य वितरण हेतु उपलब्ध धनराशी =	

	उत्पाद की विक्री से आय – (मूलधन व ब्याज वापसी + दुसरे चक्र हेतु 20 सप्ताह तक फीड तथा 36000 देसी मुर्गी कीमत का आवर्ती व्यय) = 792000–(91000+4109+44274+36000)	616617
9	शुध लाभ= 616617 – 375300	241317

- समान रुची समूह के प्रत्येक सदस्य अगले चक्र के लिए अपने तौर पर 3 देसी मुर्गियों 1000 प्रति मुर्गी हेचिंग के लिए खरीदेंगे ताकि प्रत्येक मुर्गी ओसत 10 चूजे तैयार करेगी इस प्रकार प्रत्येक सदस्य के पास 30 चूजे हर चक्र में बढा कर पक्षियों सख्यां 60 होगी इस प्रकार समूह के पास दुसरे चक्र के लिए पक्षियों की सख्यां अनुमानित की गयी है अत: खर्चे में देसी मुर्गी की किमत, फीड, अंडे की पैकिंग, फीड व अन्य खर्चे जोड़े गए |

15 धन की आवश्यकता

(क) समूह की वित्तीय आवश्यकता

क्रं. सं.	मद	धनराशी (रु)	धन की आवश्यकता
1	पूंजीगत व्यय	185280	185280
2	20 बे सप्ताह तक फीड का आवर्ती व्यय	44274	44274
	योग	**229554**	**229554**

नोट: 20सप्ताह तक समान रुची समूह को कोई भी आय नहीं होगी परन्तु 20 सप्ताह के बाद 21 सप्ताह तक माँस के लिए 360 मुर्गे बेचने से 252000 कुल आय होगी उसके बाद 24 सप्ताह के बाद अंडे की विक्री से आय पुरे चक्र के लिए होगी अत: आवर्ती व्यय में फीड का खर्चा 20 सप्ताह तक लिया गया है | क्यूंकि 20 बे के बाद समूह को मुर्गे बेचने पर आवर्ती व्यय करता रहेगा |

(ख) समूह के वित्तीय संसाधन

क्रं. सं.	संसाधन का विवरण	धनराशी (रु)
1	परियोजनाद्वारा पूंजीगत व्यय का 50% अनुदान	138960
2	बैंक द्वारावित्तीय पोषण	91000
3	समूह की आंतरिक बचत	5400
	योग	**235360**

16. सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणनाः

ब्रेक इवन पॉइंट = 185280 / 792000 – 497419
अत: ब्रेक इवन पॉइंट = 185280 /294581
= 0.6290 X 365
= 230 दिन

720 मुर्गियों के चूजे के पालन करने परमुर्गे को मॉस के लिए तथा मुर्गियों से अंडे बेचने से लाभ की गणनापर सम विच्छेदन बिन्दू 230 दिन में प्राप्त किया जाएगा |

17. ऋण वापसी का किशतवार नियोजन

क0स	माह	ऋण वापसी						संचय ऋण वापसी	अवशेष ऋण		
		मुलधन	कुलब्याज	परियोजनाद्वार	समूहद्वाराशेषब्याज 2:	समूहद्वारा प्रतिमाह	कुल		मुलधन	ब्याज	कुल

0				T 5 : ब्याज देय	देय	देय किश्त					
1	महीना –1								91000	531	91531
2	महीना –2	0	0	0	0	0	0	0	91531	534	92065
3	महीना –3	0	0	0	0	0	0	0	92065	537	92602
4	महीना –4	0	0	0	0	0	0	0	92602	540	93142
5	महीना –5	0	0	0	0	0	0	0	93142	543	93685
								कुलब्याज		2685	
6	महीना –6	13315	2685	1918	767	16000	16000	16000	79827	466	80293
7	महीना –7	15534	466	333	133	16000	16000	32000	64293	375	64668
8	महीना –8	15625	375	268	107	16000	16000	48000	48668	284	48952
9	महीना –9	15716	284	203	81	16000	16000	64000	32952	192	33144
10	महीना –10	15808	192	137	55	16000	16000	80000	17144	100	17244
11	महीना –11	15900	100	71	29	16000	16000	96000	1244	7	1251
12	महीना –12	1244	7	5	2	1251	16000	112000	0	0	0
	कुल	**93142**	**4109**	**2935**	**1174**	**97251**	**112000**	**448000**	**0**	**0**	**0**

नोट: 11 माह में परियोजना द्वारानिर्धारित ब्याज की राशी बैंक में जमा करने पर 11 माह की किश्त कम होगी जिसको देते समय ध्यान रखा जाए ।

18 टिप्पणी

समूह द्वारा 720 मुर्गे पलने पर मुर्गे व अंडे का विक्रय करने पर प्रत्येक सदस्यों कोमजदूरी के रूप में375300रुपएतथा शुध लाभ 241317रुपए की आय प्रतिदिन 2 घंटे कार्य करने पर होगी।इसके अतिरिक्त अंडे देना योग्य 33 मुर्गियों प्रत्येक सदस्य के पास पूंजी के रूप में अतिरिक्त होगी जिसकी अनुमानित किमत 1000 x 33 = 33000 अतिरिक्त होगी।इस प्रकार वर्षभर में 51385रुपए समूह के प्रत्येक व्यक्ति की अतिरिक्त आय अनुमानित की गयी है।

संवय सहायता समूह के नियमों की सूचि

1. समूह का काम : मुर्गी पालन (Backyard Pollutry Farming)
2. समूह का पता : गाँव चोकी डाकघर बरोटी, तहसील धर्मपुर और जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश !
3. समूह के कुल सदस्यः 16
4. समूह की पहली बैठक की तिथि ;.
5. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा
6. समूह की मासिक बैठक हर माह की 05. तारिक को होगी

7. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
8. स्वंय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
9. स्वंय सहायता समूह का खाता **हिमाचल ग्रामीण बैंक की** शाखा हिमाचल ग्रामीण बैंक में **खोला** गया है जिसका **खाता संख्या नंबर** 87490100066600 है
10. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी ।
11. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा
12. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
13. स्वंय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें
14. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा
15. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
16. अगर सदस्य किसी कारणवश समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ समता है अन्यथा नही
17. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
18. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए
19. स्वंय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
20. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी
21. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए
22. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी
23. स्मूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगी !

19 स्वयं सहायता समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ

इन्दर सिंह

विजय कुमार

दलीप कुमार

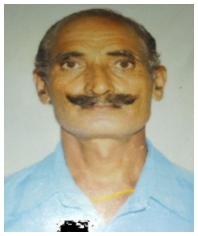

नरेन्दर कुमार

भूप सिंह

राम लाल

महेंदर सिंह

लेख राज

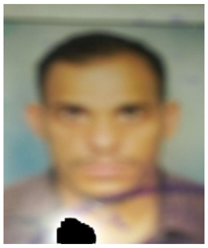

विनोद कुमार

प्रकाश चंद

करतार सिंह

सुनील कुमार

विनोद कुमार

रविंदर कुमार

कश्मीर सिंह

मोहन लाल

संलग्न-सह-समूह-आम सहमति प्रपत्र

जय बाबा कम्लाहिया समूह नी आम सभा की बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि हमारा समूह हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका (जेआईसीए सहायता प्राप्त) के कार्यान्वयन के लिए परियोजना के तहत मुर्गी पालन को आजीविका आय सृजन गतिविधि के रूप में करेगा।

Vijay
समूह अध्यक्ष के हस्ताक्षर

Vinod Kumar
समूह सचिव के हस्ताक्षर

अध्यक्ष वीएफडीएस के हस्ताक्षर

VFDS और DMU द्वारा व्यवसाय योजना का अनुमोदन

जय बाबा कम्लाहिया समूह हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका (जेआईसीए सहायता प्राप्त) के कार्यान्वयन के लिए परियोजना के तहत आजीविका आय सृजन गतिविधि के रूप में मुर्गी पालन का कार्य करेगा। इस संबंध में राशि की व्यापार योजना रुपये: 277920.00 को समूह द्वारा 21-12-2021 को प्रस्तुत किया गया है और व्यवसाय योजना को वीएफडीएस चौकी द्वारा अनुमोदित किया गया है।

कृपया आगे की कार्रवाई के लिए एफटीयू के माध्यम से डीएमयू को व्यवसाय योजना प्रस्तुत की जाती है।

धन्यवाद।

समूह अध्यक्ष के हस्ताक्षर

Vinod Kumar
समूह सचिव के हस्ताक्षर

अध्यक्ष वीएफडीएस के हस्ताक्षर

स्वीकृत

डीएमयू सह डीएफओ जोगिंदर नगर
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar